MGP OO4

GANDHI'S POLITICAL THOUGHT

PART 4

IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWERS IN HINDI AND ENGLISH BOTH

TOPIC 1:

Short note on what grounds Gandhi rejects Marxism.

Grounds on Which Gandhi Rejects Marxism

Non-violence (अहिंसा):
Gandhi firmly believed in the principle of non-violence, whereas Marxism advocates for a proletarian revolution, which often involves violence and class struggle.
गांधी अहिंसा के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखते थे, जबकि मार्क्सवाद श्रमिक क्रांति की वकालत करता है, जो अक्सर हिंसा और वर्ग संघर्ष को शामिल करता है।

Spirituality (आध्यात्मिकता):
Gandhi emphasized the importance **of** spirituality and moral values in social and economic systems, which he found lacking in Marxism.
गांधी सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों में आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर देते थे, जो उन्हें मार्क्सवाद में कमी महसूस होती थी।

Decentralization (विकेन्द्रीकरण):
Gandhi advocated for a decentralized economy based on village self-sufficiency, whereas Marxism promotes centralization of power in the hands of the state.

गांधी गांव की आत्मनिर्भरता पर आधारित विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था की वकालत करते थे, जबकि मार्क्सवाद राज्य के हाथों में सत्ता के केंद्रीकरण को बढ़ावा देता है।

Trusteeship (ट्रस्टीशिप):
Gandhi proposed the concept of trusteeship, where wealthy individuals act as trustees of their wealth for the welfare of society, contrasting with Marxist ideas of wealth redistribution through state control.
गांधी ट्रस्टीशिप की अवधारणा का प्रस्ताव रखते थे, जहाँ धनवान व्यक्ति अपने धन के ट्रस्टी के रूप में समाज की भलाई के लिए कार्य करते हैं, जो राज्य नियंत्रण के माध्यम से संपत्ति पुनर्वितरण के मार्क्सवादी विचारों के विपरीत है।

Class Harmony (वर्ग सौहार्द):
Gandhi sought harmony between different classes, promoting cooperation and mutual respect, while Marxism focuses on class struggle and the eventual overthrow of the bourgeoisie by the proletariat.
गांधी विभिन्न वर्गों के बीच सौहार्द की तलाश करते थे, सहयोग और आपसी सम्मान को बढ़ावा देते थे, जबकि मार्क्सवाद वर्ग संघर्ष और सर्वहारा द्वारा पूंजीपति वर्ग के अंततः उखाड़ फेंकने पर केंद्रित है।

TOPIC 2
Briefly describe Gandhi’s views on racial and caste inequalities.

Gandhi's Views on Racial and Caste Equality

Racial Equality (जातीय समानता):
Gandhi fought against racial discrimination during his time in South Africa, where he opposed the oppressive policies against Indians and other non-white communities.

गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में अपने समय के दौरान जातीय भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ी, जहाँ उन्होंने भारतीयों और अन्य गैर-श्वेत समुदायों के खिलाफ दमनकारी नीतियों का विरोध किया।

Caste Equality (जातिगत समानता):
Gandhi strongly opposed the caste system and worked towards the upliftment of the lower castes, whom he referred to as Harijans or "Children of God."
गांधी जाति व्यवस्था का दृढ़ता से विरोध करते थे और निचली जातियों के उत्थान की दिशा में काम करते थे, जिन्हें वह हरिजन या "भगवान के बच्चे" कहते थे।

Untouchability (अस्पृश्यता):
Gandhi condemned untouchability as a social evil and campaigned for its eradication. He advocated for the rights and dignity of the Dalits (formerly known as untouchables).
गांधी ने अस्पृश्यता को सामाजिक बुराई के रूप में निंदा की और इसके उन्मूलन के लिए अभियान चलाया। उन्होंने दलितों (पूर्व में अछूत) के अधिकारों और गरिमा की वकालत की।

Inter-caste Dining and Marriage (अंतरजातीय भोजन और विवाह):
Gandhi promoted inter-caste dining and marriage as a means to break down caste barriers and foster social harmony.
गांधी जातीय बाधाओं को तोड़ने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के साधन के रूप में अंतरजातीय भोजन और विवाह को बढ़ावा देते थे।

Education and Social Reform (शिक्षा और सामाजिक सुधार):
Gandhi emphasized education and economic empowerment as crucial tools for achieving racial and caste equality. He believed that upliftment through education would lead to social reform.
गांधी ने जातीय और जातिगत समानता प्राप्त करने के लिए शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण को महत्वपूर्ण उपकरणों के रूप में जोर दिया। उनका मानना था कि शिक्षा के माध्यम से उत्थान सामाजिक सुधार की ओर ले जाएगा।

Topic 3

Write about Gandhi's views on what is economic equality.

Gandhi's Views on Economic Equality

Trusteeship (ट्रस्टीशिप):

Gandhi proposed the concept of trusteeship, where the wealthy act as trustees of their wealth for the benefit of society. He believed that those with resources should use them to help the less fortunate.
गांधी ने ट्रस्टीशिप की अवधारणा का प्रस्ताव रखा, जहाँ धनवान अपने धन के ट्रस्टी के रूप में समाज के लाभ के लिए कार्य करते हैं। उनका मानना था कि संसाधनों वाले लोगों को उनका उपयोग कम भाग्यशाली लोगों की मदद के लिए करना चाहिए।

Self-sufficiency (आत्मनिर्भरता):

Gandhi emphasized the importance of self-sufficient villages and local economies. He believed in reducing dependence on external markets and promoting local production and consumption.
गांधी ने आत्मनिर्भर गांवों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बाहरी बाजारों पर निर्भरता कम करने और स्थानीय उत्पादन और खपत को बढ़ावा देने में विश्वास किया।

Decentralization (विकेन्द्रीकरण):

Gandhi advocated for a decentralized economy where power and resources are distributed across various local communities rather than concentrated in urban centers or the hands of a few.
गांधी एक विकेन्द्रीकृत अर्थव्यवस्था की वकालत करते थे जहाँ शक्ति और संसाधन विभिन्न स्थानीय समुदायों में वितरित किए जाते हैं न कि शहरी केंद्रों या कुछ लोगों के हाथों में केंद्रित होते हैं।

Simple Living (सरल जीवन):

Gandhi promoted the idea of simple living and high thinking. He believed that true economic equality involves a lifestyle where people's needs are minimized and resources are used judiciously.
गांधी सरल जीवन और उच्च विचार की अवधारणा को बढ़ावा देते थे। उनका मानना था कि सच्ची आर्थिक समानता में ऐसा जीवन शामिल है जहाँ लोगों की आवश्यकताएँ न्यूनतम हों और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग हो।

Eradication of Poverty (गरीबी उन्मूलन):

Gandhi saw the eradication of poverty as essential for economic equality. He worked towards uplifting the poor through various social and economic reforms, including improving access to education and healthcare.
गांधी ने आर्थिक समानता के लिए गरीबी उन्मूलन को आवश्यक माना। उन्होंने विभिन्न सामाजिक और आर्थिक सुधारों के माध्यम से गरीबों के उत्थान की दिशा में काम किया, जिसमें शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार शामिल है।

Labor and Capital (श्रम और पूंजी):
Gandhi believed in the dignity of labor and the fair distribution of wealth generated by industries. He advocated for workers' rights and emphasized the need for harmonious relationships between labor and capital.
गांधी श्रम की गरिमा और उद्योगों द्वारा उत्पन्न धन के उचित वितरण में विश्वास रखते थे। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों की वकालत की और श्रम और पूंजी के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों की आवश्यकता पर जोर दिया।

Non-possession (अपरिग्रह):
Gandhi advocated for the principle of non-possession, where individuals do not hoard wealth or resources beyond their needs. This aligns with his broader philosophy of reducing material desires for the sake of social equity.
गांधी अपरिग्रह के सिद्धांत की वकालत करते थे, जहाँ व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं से अधिक धन या संसाधनों का संचय नहीं करते। यह

सामाजिक समानता के लिए भौतिक इच्छाओं को कम करने के उनके व्यापक दर्शन के साथ मेल खाता है।

THE END